U.G. 6th Semester Examination - 2024

SANSKRIT

[HONOURS]

Course Code : SANS-H-CC-T-13

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions in Sanskrit Language with Devanāgarī Script: 2×10=20

निम्नोक्तेषु **दश** प्रश्नान् सुरगिरा देवनागरीलिप्या च समाधेहि :

क) दर्शनशब्दस्य का व्युत्पत्तिः? कानि तावद् आस्तिकदर्शनानि?

ख) को नाम बहुत्ववादः? भारतीयदर्शने कः वस्तुवादी?

ग) भारतीयदर्शने के तावत् एकात्मवादिनः? अनात्मवादिनश्च के?

घ) प्रमाणस्य लक्षणं किम्? नैयायिकाः कति प्रमाणणि स्वीकुर्वन्ति?

ङ) को नाम द्वैतवादः? केन दार्शनिकसम्प्रदायेन द्वैतवादः स्वीकृतः?

च) कस्तावत् सत्कार्यवादी? सत्कार्यवादस्य लक्षणं प्रदेयम्।

छ) कारणकरणयोः भेदद्वयं लेखनीयम्।

ज) अभावस्य लक्षणमुल्लिख्य तद्भेदः प्रदर्शनीयः।

झ) भारतीयदर्शने के तावत् पीलुपाकवादिन:? के च पीठरपाकवादिन:?

ञ) किं तावत् द्रव्यस्यसामान्यलक्षणम्?

ट) बुद्धे: लक्षणं प्रदेयम्। बुद्धि: कुत्र वर्तते?

ठ) व्याप्तिज्ञाने परामर्शस्य गुरुत्वमस्ति न वेति विचारनीयम्।

ड) सोदाहरणं पक्षस्य लक्षणं प्रदेयम्।

ढ) को नाम हेत्वाभास:? तस्य भेदा: लेखनीया:।

ण) अनुमानप्रमाणस्य लक्षणं प्रदेयम्। आप्तशब्दस्य कोऽर्थ:?

2. Answer any **four** of the following questions:

$5 \times 4 = 20$

अधोधृतेषु प्रश्नेषु यथेच्छं **चत्वार:** समाधेया:।

क) विशेष: क:? विशेष: कथं पृथग्पदार्थरूपेण स्वीकृत:?

ख) अनुभव: कतिविध:? तयो: भेद: तर्कसंग्रहदिशा स्फुटीकरणीय:।

ग) किं नाम सामान्यम्? सामान्यं नित्यमनित्यं वेति उपस्थापनीयम्।

घ) टीका लेखा — गुरुत्वम्, संस्कार:।

ङ) व्याख्या कार्या — लक्षैकदेशावृत्तित्वमव्याप्ति:।

च) हेत्वाभास: निरूपणीय: (कस्यचन **द्वयस्य**)।

i) वायु: द्रव्यं चाक्षुषत्वात्।

ii) शब्दो नित्य: शब्दत्वात्।

iii) अग्निरनुष्णो द्रव्यत्वात्।

3. Answer any **two** of the following questions. One must be written in Sanskrit Language with Devanāgarī Script: 10×2=20

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं **प्रश्नद्वयमुत्तरत**। तयोरेकमवश्यं संस्कृतेन देवनागरीलिप्या च लेख्यम्।

क) भारतीयदर्शनमनुसृत्य एकात्मवादस्य स्वरूपं वैशद्येन उपस्थापनीयम्।

ख) न्यायदर्शने कति प्रमाणानि स्वीकृतानि? तेषु उपमानप्रमाणस्य लक्षणं प्रतिपदव्यावृत्तिपूर्वकं पर्यालोचनीयम।

ग) तर्कसंग्रहानुसारेण अनुमानप्रक्रियाय: व्याप्ते: तात्पर्य्यमालोचनीयम्। अनुमानं कतिविधम्? तयों भेद: सोदाहरणं पर्यालोचनीय:।

घ) तर्कसंग्रहानुसारेण समवायस्वीकारे का युक्ति:? समवायसंयोगयो: प्रभेद: सोदाहरणमुपस्थापनीयम्।